

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, यशायाह, सत्र 7, ईसा। 13-14

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या सात, यशायाह अध्याय 13 और 14 है। ठीक है, मुझे लगता है कि यह शुरू करने का समय है।

मैं एक साथ प्रार्थना करने से पहले कुछ विज्ञापन देना चाहता था। बेशक, इन आयोजनों के लिए कोई शुल्क नहीं है और मुझे कोई वेतन नहीं मिलता है, लेकिन एफएएस, रोशनी, गर्मी, कॉफी इत्यादि के लिए कुछ खर्च हैं। इसलिए, मैंने वहां किनारे पर एक टोकरी रख दी है और यदि आपको लगता है कि एफएएस के खर्चों को चुकाने में मदद करने के लिए आप वहां एक या दो डॉलर डाल सकते हैं, तो यह एक आशीर्वाद होगा।

दूसरी बात यह है कि एफएएस को हमेशा स्वयंसेवकों की जरूरत होती है। मैं उनमें से एक हूँ और इसमें कई अन्य लोग भी शामिल हैं और यह खुशी की बात होगी यदि कई लोग स्वेच्छा से काम करेंगे। लिफ़ाफ़े में मोड़ने और चिपकाने जैसी चीज़ें और इस तरह की चीज़ें।

तो फिर, यदि आप बस 858-4222 पर कॉल करेंगे और अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे, तो मुझे पता है कि यह एक बड़ा, महान आशीर्वाद होगा। हम एक मजबूत स्टाफ पर चलते हैं, जेनी लोवेल और केटी डिटल और आरोन हिल और रॉन और मैं एक सप्ताह में एक या दो दिन में हैं। यह उन लोगों के लिए बहुत बड़ी मदद होगी जो स्वेच्छा से काम कर सकते हैं और करेंगे।

ठीक है शुक्रिया। आइये मिलकर प्रार्थना करें। प्रभु यीशु, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने स्वेच्छा से काम किया।

आपका धन्यवाद कि आपने स्वेच्छा से, स्वतंत्र रूप से हमारे लिए स्वर्ग का दरबार छोड़ने का निर्णय लिया। बिना आडंबर के, बिना शक्ति के, बिना पद के यहाँ आना, सब से निम्नतम पद ग्रहण करना ताकि हम पिता को जान सकें। धन्यवाद।

हे प्रभु, आपके नक्शेकदम पर चलने में हमारी सहायता करें। जैसा कि हमारे भाई पॉल ने कहा, वैसा ही मन होना चाहिए जैसा आपके पास है। हमारी मदद करो प्रभु।

हम स्वीकार करते हैं कि यह कठिन है। हम अपनी स्थिति, अपनी शक्ति और अपनी संपत्ति से बहुत ईर्ष्या करते हैं। हम पर दया करो प्रभु।

हमें यह जानने में मदद करें कि इनमें से कोई भी चीज़ अंततः हमारे साथ नहीं जाती। बल्कि, प्रभु, हमें आपकी आत्मा द्वारा हमें पूर्ण करने के आनंद का अनुभव करने में, दूसरों के लिए अपना जीवन देने की खुशी का अनुभव करने में मदद करें। धन्यवाद भगवान।

आपकी पुस्तक का अन्वेषण करने में हमारी सहायता करें। हमें यह समझने में मदद करें कि आप हमसे क्या कहेंगे और न केवल इसे समझने में बल्कि इसे अपनाने और इसे अपने जीवन में लागू करने में भी हमारी मदद करें। आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं।

तथास्तु। ठीक है। हम आज रात उस अनुभाग की ओर रुख करते हैं जिसे मैं विश्वास में पाठ कह रहा हूँ, अध्याय 13 से 35।

आहाज़ परीक्षा में असफल हो गया। यशायाह ने उस से कहा, यदि तू विश्वास में दृढ़ न रहेगा, तो परमेश्वर तुझे कैसे दृढ़ करेगा? यदि आप दृढ़ नहीं हैं तो भगवान आपकी पुष्टि कैसे कर सकते हैं? और इसलिए हमने अध्याय 7 से 12 में देखा है कि कैसे आहाज़ की विश्वास करने में विफलता और उसके निहितार्थ उसके स्थान पर मसीहा, दाऊद के सच्चे पुत्र के आगमन के माध्यम से सामने आए। अब, इन अध्यायों में, 13 से 35 तक, हम, पुरानी शैली में जिसे वे 30 साल पहले प्रोग्राम्ड लर्निंग कहते थे, आप वापस जाते हैं और फिर से शुरू करते हैं।

आप पाठों का दोबारा अध्ययन करते हैं, दूसरी बार परीक्षा देने की तैयारी करते हैं। और अध्याय 36 से 39 में, हिजकिय्याह दूसरी बार परीक्षा देता है। अध्याय 13 से 35 को तीन, वास्तव में चार, खंडों में विभाजित किया जा सकता है।

सबसे पहले, 13 से 23, फिर 24 से 27, और 28 से 33, और फिर दो समापन अध्याय, 34 और 35। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम नियमित रूप से उस पर वापस जाते रहेंगे, लेकिन आज रात हम इस शुरुआत के साथ यहां हैं। जिन्हें राष्ट्रों के विरुद्ध दैवज्ञ, या घोषणाएँ, या संदेश कहा जाता है। तीनों प्रमुख पैगम्बर, मैंने इरेज़र के साथ क्या किया है? ओह, यह फर्श पर है, ठीक है।

सभी तीन प्रमुख भविष्यवक्ताओं के पास राष्ट्रों के विरुद्ध घोषणाओं के ये खंड हैं। यशायाह के पास हैं, यिर्मयाह के पास हैं, यहजेकेल के पास हैं, और वास्तविक अर्थ में, दो छोटे भविष्यवक्ता, नहूम और ओबद्याह, प्रत्येक राष्ट्र के खिलाफ एक घोषणा हैं। नहूम अशशूर के विरुद्ध एक घोषणा है, और ओबद्याह एदोम के विरुद्ध एक घोषणा है।

लेकिन यशायाह, यिर्मयाह और यहजेकेल तीनों में से प्रत्येक ने अपनी पुस्तकों में अलग-अलग स्थानों पर राष्ट्रों के खिलाफ अपनी घोषणाएँ रखीं, क्योंकि वे उस पुस्तक में एक विशेष उद्देश्य को पूरा कर रहे हैं, जिस तरह से इसे स्थापित किया गया है। यहजेकेल में, राष्ट्रों के विरुद्ध दैवज्ञ ठीक मध्य में हैं। तुम्हें खबर मिल चुकी है कि यरूशलेम का पतन होने वाला है।

यहजेकेल बेबीलोन की कैद में है। वह 598 में वहां गया था, और यरूशलेम अभी तक नहीं गिरा था, लेकिन वह कहता है कि यह गिरने वाला है, और लोग कह रहे हैं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, नहीं, यरूशलेम नहीं गिर सकता। यरूशलेम भगवान का शयनकक्ष है।

वहां कुछ भी बुरा नहीं हो सकता, और वह कहता है, हां, ऐसा ही है। और जब खबर आती है कि घेराबंदी शुरू हो गई है, तो यहजेकेल गूंगा हो गया, और उसके पास ढाई साल तक कहने के लिए कुछ नहीं था। और राष्ट्रों के विरुद्ध जो घोषणाएँ उसके मंत्रालय में विभिन्न समयों पर की गई थीं, उन्हें एकत्र करके वहीं रख दिया गया है।

और फिर, अध्याय 33 के साथ, यह संदेश आता है कि यरूशलेम गिर गया है। और इसलिए अब, ईजेकील के पास एक नया संदेश है। यरूशलेम पुनः स्थापित होगा, जिसके बारे में लोग कहते हैं, कभी नहीं हो सकता, नहीं, नहीं, नहीं।

फिर, मैं अक्सर छात्रों से कहता हूँ, क्या आपको लगता है कि आपके पास एक कठिन चर्च है? क्या आप बुरी खबरें सुनाते हैं? कभी नहीं। क्या आप शुभ समाचार का प्रचार करते हैं? बिल्कुल नहीं। यशायाह विश्वास के इन पाठों की शुरुआत में ही राष्ट्रों के विरुद्ध अपनी भविष्यवाणियाँ करता है।

आहाज ने अपने सबसे बड़े दुश्मन असीरिया पर भरोसा किया, ताकि वह उसे इज़राइल और सीरिया, उसके दो पड़ोसियों से बचा सके जो उस पर हमला कर रहे हैं। और इसलिए, यशायाह कह रहा है, राष्ट्रों पर भरोसा मत करो। वे सभी न्याय के अधीन हैं, और उनमें से कई, हमें बताया गया है, वे आपके भगवान की पूजा करने जा रहे हैं।

आखिर आप उन पर भरोसा क्यों करेंगे? और इसलिए इन 11 अध्यायों में, हम राष्ट्रों के विरुद्ध इन घोषणाओं को देखते हैं। हम उन दो अध्यायों से शुरू करते हैं जिन पर हम आज रात विचार कर रहे हैं, 13 और 14। ये एक चुनौती हैं।

यदि आपने उन्हें पढ़ा है, तो आप यह जानते हैं। बिल्कुल वही जो वह कर रहा है, वह ऐसा क्यों कर रहा है, वह जो कुछ करता है उसे इस स्थान पर क्यों रखता है, उन सवालों के बहुत सारे अलग-अलग उत्तर हैं, और हम आज रात उनका पता लगाएंगे। जब हम श्लोक 1 से 16 तक देखते हैं, तो हमें भाषा के स्तर का निरीक्षण करने की आवश्यकता होती है।

ऐसा कहा जाता है कि यह एक दैवज्ञ है, एक संदेश है, एक बोझ है। इसका शाब्दिक अर्थ बोझ है। परमेश्वर ने इस राष्ट्र के विषय में भविष्यवक्ता पर कुछ रखा है।

बेबीलोन के विषय में एक दैवज्ञ. अब, जैसा कि मैंने नोट्स में टिप्पणी की है, इस समय बेबीलोन यरूशलेम और यहूदा के लिए कोई खतरा नहीं है। शायद तारीख और आप इन अध्यायों में एक प्रकार का कालानुक्रमिक बदलाव देख सकते हैं।

यह सटीक नहीं है, लेकिन जब यशायाह ने पहली बार 735 में संदेश दिया था तब से 701 में यरूशलेम से पहले अशूर के पतन तक एक सामान्य आंदोलन है। इसलिए वहां एक प्रकार का सामान्य आंदोलन है, लेकिन इस बिंदु पर, बेबीलोन कोई खतरा नहीं है। बेबीलोन असीरियन साम्राज्य का सिर्फ एक हिस्सा है, लेकिन बेबीलोन साम्राज्य का सबसे धनी, सबसे परिष्कृत, सबसे महानगरीय शहर है, और मुझे लगता है कि यह यहां जो कर रहा है उसके लिए यह महत्वपूर्ण है।

लेकिन एक और मुद्दा है. बाबुल यरूशलेम का परम शत्रु है। याद रखें कि 586 में यरूशलेम का पतन बेबीलोन के हाथ में होगा, लेकिन यहां एक और कारक चल रहा है।

बेबीलोन सदैव अशूर के विरुद्ध विद्रोह करने के लिए साझेदारों की तलाश में रहता था। बेबीलोन ने हमेशा खुद को उसी तरह देखा जैसे न्यूयॉर्क खुद को वाशिंगटन, डीसी के संबंध में देखता है, ठीक है, वहां के लोग इसे चलाते हैं, लेकिन वे नकली लोगों का एक समूह हैं। हम न्यूयॉर्कवासी, हम वास्तव में चालाक लोग हैं।

हम ही वो हैं जो वास्तव में जानते हैं कि काम कैसे करना है। बेबीलोन ने नीनवे और असीरिया के बारे में ऐसा ही महसूस किया, वहां पर देहाती बेवकूफों का एक समूह था, जिनके पास हां, शक्ति तो थी, लेकिन यह बहुत बुरा था कि वे नहीं जानते थे कि इसका उपयोग कैसे करना है। इसलिए बेबीलोन हमेशा साझेदारों की तलाश में रहता है।

अंत में अध्याय 38 और 39 में हिजकिय्याह को यही पकड़ में आया। वे हमेशा ऐसे लोगों की तलाश में रहते हैं जो उनके साथ आएंगे। तो यह बेबीलोन के साथ शुरुआत करने का एक संभावित कारण प्रतीत होता है।

लेकिन जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम इस बारे में और अधिक बात करेंगे। मैं फिर से समय लेना चाहता हूं, मैं हाथ दिखाने के लिए नहीं कह रहा हूं, लेकिन यह मानते हुए कि हर किसी ने इसे नहीं पढ़ा है, मैं पहले 16 छंदों को पढ़ने के लिए समय लेना चाहता हूं, और मैं चाहता हूं कि आप भी देखें भाषा का स्वाद क्या है। एक नंगी पहाड़ी पर, एक संकेत उठाओ, उन्हें जोर से चिल्लाओ, उन्हें रईसों के द्वार में प्रवेश करने के लिए हाथ हिलाओ।

मैं ने आप ही आपके पवित्र लोगोंको आज्ञा दी है, आपके क्रोध को निष्पादित करने के लिये आपके शूरवीरोंको बुलाया है, आपके घमण्ड से ऊंचा उठानेवालोंको। पहाड़ों पर बड़ी भीड़ के कोलाहल का शब्द हो रहा है, राज्यों और राष्ट्रों के इकट्ठे होने के कोलाहल का शब्द हो रहा है। सेनाओं का यहोवा, स्वर्ग की सेनाओं का यहोवा, युद्ध के लिये सेना इकट्ठा कर रहा है।

वे दूर देश से, स्वर्ग के अंत से, प्रभु और उनके क्रोध के हथियार पूरी पृथ्वी को नष्ट करने के लिए आते हैं। खैर, क्योंकि प्रभु का दिन सर्वशक्तिमान की ओर से विनाश के समान निकट है। यह आएगा।

इसलिए, सभी हाथ कमजोर होंगे। हर इंसान का दिल पिघल जाएगा। वे निराश हो जायेंगे, कष्ट और वेदना उन पर हावी हो जायेगी।

वे प्रसव पीड़ित महिला की तरह अंग्रेजी में होंगे। वे एक-दूसरे को देखकर आश्चर्यचकित दिखेंगे। उनके चेहरे ज्वाला होंगे।

देखो, यहोवा का वह दिन आता है, जो क्रोध और भड़के हुए क्रोध के साथ पृथ्वी को उजाड़ कर देगा, और उस में से पापियों का नाश करेगा। क्योंकि आकाश के तारागण और उनके नक्षत्र अपनी रोशनी न देंगे। सूर्योदय के समय सूर्य अंधकारमय होगा।

चंद्रमा अपनी रोशनी नहीं बिखेरेगा। मैं जगत को उसकी बुराई का और दुष्टों को उनके अधर्म का दण्ड दूँगा। मैं अहंकारियों के पाप को, निर्दयी लोगों के आडंबर को खत्म कर दूँगा।

मैं लोगों को उत्तम सोने से और मानवजाति को भेंट के सोने से भी अधिक दुर्लभ बना दूँगा। इस कारण मैं सेनाओं के यहोवा के क्रोध के कारण आकाश को कंपा दूँगा, और पृथ्वी अपने स्थान से हिल जाएगी। उसके भड़के हुए क्रोध के दिन, और शिकार किए गए चिकारे की नाई, वा उस भेड़ की नाई, जिसका कोई चारा न हो, हर एक अपने ही लोगों की ओर फिरेगा।

हर एक अपने देश की ओर भाग जाएगा। जो भी मिलेगा उसे ठोक दिया जाएगा। जो कोई पकड़ा जाएगा वह तलवार से मारा जाएगा।

उनके बच्चों को उनकी आँखों के सामने टुकड़े-टुकड़े कर दिया जाएगा। उनके घर लूट लिये जायेंगे और उनकी पत्नियाँ लूट ली जायेंगी। उन 16 श्लोकों में क्या नहीं बताया गया है? आनंद, शांति, हाँ।

मम-हम्म. भौगोलिक दृष्टि से किसका उल्लेख नहीं है? बेबीलोन. हमारे पास शुरुआती घोषणा है.

यह एक संदेश है. यह एक दैवज्ञ है, बेबीलोन के विरुद्ध एक घोषणा है। प्रथम 16 छंदों में बेबीलोन का उल्लेख नहीं है।

भाषा का स्वाद क्या है? विनाश? हां हां। क्या यह स्थानीय है? यह सार्वभौमिक है. हम यहां दुनिया के बारे में बात कर रहे हैं।

भगवान स्वर्ग से आ रहे हैं. वह मानवता को ओपीर के सोने से भी अधिक दुर्लभ बना देगा। आकाश कांप उठेगा.

सेनाओं के यहोवा के क्रोध से पृथ्वी अपने स्थान से हिल जाएगी। इसलिए मुझे लगता है कि यहां जो हो रहा है वह यह है कि यशायाह इस पूरे खंड को निर्णय के एक सार्वभौमिक बयान के साथ पेश कर रहा है। संपूर्ण विश्व ईश्वर के न्याय के अधीन है।

यरूशलेम का यहोवा सारे जगत का परमेश्वर है। अब हमारे लिए, हम कहते हैं, ठीक है, बिल्कुल। नहीं, बिल्कुल, तब।

मेरा मतलब है, यह पागलपन है। यह कहने जैसा है कि जेस्मोन काउंटी केंटुकी का भगवान पूरी दुनिया का भगवान है। यहूदा जेस्मोन काउंटी से बहुत बड़ा नहीं था।

तो, यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक कथन है। हमारा परमेश्वर सारे संसार का परमेश्वर है। और पूरी दुनिया को उसकी न्याय की कसौटी के सामने खड़ा होना होगा।

अब, मुझे लगता है कि यह आपमें से कुछ लोगों के जीवन में और अधिक मार्मिक होने जा रहा है जो किशोरावस्था में हैं या किशोरावस्था के अंत में हैं। जब तक ईश्वर आपके जीवनकाल में कुछ नाटकीय नहीं करता, संयुक्त राज्य अमेरिका में ईसाई धर्म एक अल्पसंख्यक संप्रदाय बना

रहेगा। पिछले कुछ सौ वर्षों में हमारे लिए यह बहुत आसान रहा है क्योंकि ईसाई धर्म मूल रूप से हमारे देश का धर्म रहा है, ठीक है, हाँ, ठीक है।

हाँ। हमारा परमेश्वर सारे संसार का परमेश्वर है। हाँ।

सारी दुनिया उसके दरबार में झुकने वाली है। हाँ। यह कहना कठिन होगा कि ऐसी स्थिति में जहाँ हम एक छोटे से अल्पसंख्यक हैं, उदाहरण के लिए, आज इंग्लैंड में।

लेकिन इसे आस्था कहते हैं। जब सब कुछ स्पष्ट है और आप कहते हैं, ठीक है, निश्चित रूप से, इसमें बहुत अधिक विश्वास शामिल नहीं है। लेकिन जब चीजें बहुत स्पष्ट नहीं होती हैं और आप कहते हैं, हाँ, यह विश्वास है।

वह विश्वास है। और इसलिए, भगवान यहाँ यह कहकर शुरुआत करते हैं, मैं कैसे कह सकता हूँ कि ये राष्ट्र न्याय के अधीन हैं? क्योंकि सारा संसार न्याय के अधीन है। इसीलिए।

अब, वे कौन से विशेष पाप हैं जिनके लिए निर्णय आ रहा है? उनका नाम श्लोक 11 में दिया गया है। अभिमान, अहंकार, निर्दयता। हमने इसे पहले भी सुना है और हम इसे फिर से सुनने जा रहे हैं।

अब, ऐसा अभिमान और अहंकार और निर्दयता क्यों है जो गर्व का परिणाम है, उन्हें यहाँ और पूरी किताब में क्यों उजागर किया जा रहा है? यह मूल पाप है। कहने का तात्पर्य यह है कि मैं भगवान हूँ। और इसीलिए कुछ सबसे अच्छे लोग नरक में जा रहे हैं।

हम पियक्कड़ों, नशेड़ियों, दलालों और वेश्याओं के बारे में सोचते हैं, वे वहाँ होंगे। खैर, मुझे डर है कि वे ऐसा करेंगे। लेकिन वे बहुत से अन्य अच्छे लोग बनने जा रहे हैं जिनके लिए वे भगवान हैं।

और इसलिए पुस्तक के माध्यम से, आपके पास ईश्वर के अस्तित्व की यह तस्वीर है। सर्वोच्च यहोवा और परिणाम यह है कि कोई भी मानव शरीर अपनी उपस्थिति में उसकी उपस्थिति में खड़ा नहीं हो सकता है। और इसलिए यह बार-बार वापस आता रहता है, हम इसे पूरी किताब में बार-बार देखेंगे।

खुद को भगवान बनाने की कोशिश और ये कहें कि मुझे किसी के आगे झुकना नहीं है। सभी का मूल पाप है। आज शाम को काम पूरा करने से पहले हम इसके बारे में और अधिक बताएंगे।

ठीक है। क्या अभिमान और स्वाभिमान में कोई अंतर है? यदि ऐसा है तो क्या? ठीक है ठीक है। गौरव सोचता है कि हम सब कुछ अपने आप पूरा करते हैं।

अभिमान में विनम्रता नहीं होती। तो स्वाभिमान उससे किस प्रकार भिन्न है? ठीक है ठीक है। मैं भगवान की छवि में बनाया गया हूँ।

इसलिए, मेरा मूल्य है, मूल्य इस बात का नहीं है कि मैंने खुद को बनाया है या खुद का निर्माण किया है, बल्कि मूल्य इसका है जो एक रिश्ते से प्राप्त होता है। आइए इसे थोड़ा और आगे बढ़ाएं। आप किस लायक हैं? अब, मुझे पता है कि रासायनिक रूप से आपकी कीमत लगभग सात डॉलर और अड़तीस सेंट है, लेकिन आपकी कीमत कितनी है? ईसा मसीह की मृत्यु.

आप इसके लायक हैं। भगवान का पुत्र. दोबारा।

ऐसा नहीं है, ओह, मैं अच्छा नहीं हूँ। मैं कुछ नहीं कर सकता. बस उलटा अभिमान ही सब कुछ है।

परन्तु यह कहने का, कि मैं जानता हूँ कि अपने पिता की दृष्टि में मेरा मूल्य है, मैं जानता हूँ कि उसने मुझे अपने स्वरूप में बनाया है, मैं जानता हूँ कि मैं परमेश्वर के पुत्र की मृत्यु के योग्य हूँ, इसका अर्थ है कि आप खड़े होकर जान सकते हैं कि आप 'मूल्यवान' हैं. आपको इसे पकाने की ज़रूरत नहीं है. आपको इस पर काम करने की ज़रूरत नहीं है.

लेकिन यह कुछ ऐसा है जो आपके बाहर से प्राप्त होता है। अभिमान स्वयं को स्वयं के भीतर से निर्मित करना चाहता है। सच्चा स्वाभिमान एक रिश्ते से प्राप्त होता है।

अच्छा अच्छा। ठीक है। अब, श्लोक 17 में, फोकस बदल जाता है।

देखो, मैं उन लोगों के विरुद्ध मन भड़काता हूँ जो चान्दी का कुछ आदर नहीं करते, और जो सोने से प्रसन्न नहीं रहते। उनके धनुष जवानों को मार डालेंगे। वे गर्भ के फल पर कोई दया नहीं करेंगे।

उनकी आंखें बच्चों और बाबुल पर दया नहीं करेंगी, राज्यों का गौरव, कसदियों का वैभव और वैभव सदोम और अमोरा के समान होगा जब परमेश्वर ने उन्हें उखाड़ फेंका था। अब, ऐसा लगता है जैसे फोकस कम हो रहा है। हम दुनिया के गौरव, वैभव और वैभव के प्रतिनिधि के रूप में बेबीलोन के बारे में बात कर रहे हैं।

अब, हम विशेष रूप से राष्ट्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जैसा कि मैंने नोट में टिप्पणी की थी, मीड आज के ईरान के लोग हैं। टाइग्रिस नदी कमोबेश उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व में फारस की खाड़ी की ओर बहती है, और यह एक पर्वत श्रृंखला के समानांतर है जिसने ऐतिहासिक रूप से मेसोपोटामिया, दो नदियों की भूमि और पूर्व के बीच सीमा प्रदान की है।

यह आज इराक और ईरान के बीच की सीमा है। मीड यहाँ रहते थे, और उन्होंने आपस में मित्रता कर ली। बेबीलोन यहाँ नीचे है.

दरअसल, बेबीलोन फरात नदी पर है। बाबुल यहाँ पर है, और अशूर और नीनवे और कालह यहाँ पर हैं। मीड्स ने खुद को बेबीलोनियों के साथ जोड़ लिया, और साथ में उन्होंने 605 में असीरियन साम्राज्य को ध्वस्त कर दिया।

तब उन्होंने घोड़े बदल लिये, और घास के मैदानों ने फारसियों के साथ गठजोड़ कर लिया, और मिलकर उन्होंने बेबीलोन पर कब्ज़ा कर लिया। इसलिए यहां वह अपने समय से लगभग 200 वर्ष बाद की उस स्थिति के बारे में बात कर रहे हैं जब मीड्स बेबीलोन के खिलाफ भड़क उठेंगे। अब, आप समझ सकते हैं कि बाइबिल के विद्वान इस बात से इनकार करते हैं कि यशायाह ने संभवतः ऐसा कहा होगा।

आप विशेष रूप से इस बारे में बात नहीं करते कि 200 साल बाद भविष्य में क्या होगा। आप नहीं कर सकते। फिर, यदि आप अभी भी वसंत ऋतु में मेरे साथ हैं, तो हम बहुत सावधानी से इसका पता लगाएंगे।

मुझे आशा है कि आप आसपास होंगे। इसलिए, अब हम इन लोगों के बारे में अधिक विशेष रूप से बात कर रहे हैं। श्लोक 19 को देखो।

एक बार फिर, मामला क्या है? गौरव, वैभव, शान, शान। अब, हमने महिमा के बारे में पहले भी बात की है, और इस पुस्तक को पूरा करने से पहले हम इसके बारे में और भी अधिक बात करेंगे। क्या किसी को याद है कि मैंने हिब्रू में महिमा के अर्थ के बारे में क्या कहा था? ठीक है।

अच्छा अच्छा अच्छा। मुझे थोड़ी सी महिमा दो। उस आदमी को एक स्वर्ण सितारा दो।

पदार्थ, भार, महत्व। यह सिर्फ पदार्थ उठाना नहीं है। मेरा पसंदीदा उदाहरण सूर्यास्त है।

हमने पिछली रात एक खूबसूरत चीज़ देखी, लेकिन आप मुँह फेर लेते हैं और कहते हैं, अरे, सूर्यास्त को देखो, और अब यह सब धूसर हो गया है। जब हम बाइबल में महिमा के बारे में बात करते हैं तो हम इसके बारे में बात नहीं कर रहे हैं। यह सम्मान, महत्व, शक्ति और धन है।

यह वही है जो आपको कुछ बनाता है। और मुझे संदेह है कि इसीलिए बाबुल को पहले जाने के लिए चुना गया है, कि यह राष्ट्रों की महिमा है। और वास्तव में, परमेश्वर जो कह रहा है, वास्तव में, जो उनके पास है वह सच्ची महिमा नहीं है।

इनका शाश्वत महत्व नहीं है। अध्याय 6 के अनुसार पृथ्वी किससे भरी हुई है? प्रभु की महिमा। यह बेबीलोन की शान नहीं है।

यह ओसवाल्ड की महिमा नहीं है। यह वहां की महिमा नहीं है जिसके बारे में आप सोचना चाहते हैं। यह प्रभु की महिमा है जो पृथ्वी में व्याप्त है।

राष्ट्रों की महिमा शून्य के बराबर है। अब, श्लोक 19, 20, 21, और 22 के बिल्कुल विपरीत है। यहाँ फिर से, यशायाह शब्द चित्रों के साथ अपने सर्वोत्तम रूप में है।

आपको क्या लगता है वह यहाँ क्या कर रहा है? क्यों? उसका अभिप्राय क्या है? तस्वीर का मतलब क्या है? क्या है और क्या होगा के बीच विरोधाभास। और आपको क्या लगता है कि वह अपनी बात कहने के लिए इन विशेष चित्रों का उपयोग क्यों करता है? आप जानते हैं, यदि आप

अध्याय 3 और उस खूबसूरत महिला की तस्वीर पर वापस जाएं, और आपको वह सूची मिल जाएगी कि उसने क्या पहना है। अब, यहाँ, यह एक तरह की अति है, है ना? यह इतना मर चुका है कि इसमें इंसान के रहने के लिए कोई जगह नहीं है।

हां हां हां। मानवजाति को ओपीर के सोने के समान दुर्लभ बनाने जा रहा हूँ। हां हां।

ख़ाली, त्यागा हुआ। और हम किस तरह के जानवरों की बात कर रहे हैं? मैला ढोने वाले। हम भेड़-बकरी की बात नहीं कर रहे हैं, है ना? लकड़बग्घा, सियार, चिल्लाने वाले जीव।

और शतुरमुर्गों के बारे में एक तर्क है, लेकिन हो सकता है कि वहाँ शतुरमुर्ग हों। यह रत्नों की सूची की तरह है। कई मामलों में, हम वास्तव में नहीं जानते कि वास्तव में किस रत्न के बारे में बात की जा रही थी।

और यदि आपके पास कई अलग-अलग संस्करण हैं, तो आप गहनों की एक सूची देखें, और आप पाएंगे, हाँ, उनमें से अधिकांश में सहमति होगी। लेकिन पाँच या छह ऐसे होंगे जहाँ वे पूरे मानचित्र पर होंगे। और यह यहाँ भी वैसा ही है।

आप उल्लू प्राप्त कर सकते हैं, आप शतुरमुर्ग प्राप्त कर सकते हैं, आप कई अन्य प्राप्त कर सकते हैं कि संभावनाएं क्या हैं। लेकिन बात तो यही है। गौरवशाली बेबीलोन।

खिड़कियाँ टूट गई हैं, छत गिर रही है और वहाँ केवल लकड़बग्घे ही रह रहे हैं। बहुत खूब। लैटिन सिक सेम्पर ग्लोरिया है, इस प्रकार हमेशा महिमा होती है।

यीशु, हाँ? वह भाषा का विस्तार करता है। हाँ। फिर, यह इस तर्क का हिस्सा है, जिस शब्द का उपयोग किया जाता है उसका कभी-कभी व्यंग्य शब्द के साथ अनुवाद किया जा सकता है।

आप जानते हैं, एक व्यंग्यकार आधा इंसान, आधा बकरी होता है। और इसलिए यह तर्क का हिस्सा है। हाँ, हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि वास्तव में इसका उद्देश्य क्या है।

लेकिन स्पष्ट इरादा काफी स्पष्ट है। जब हम अध्याय 34 पर आते हैं, जहाँ हम यह सब समाप्त करते हैं, तो हम इसे फिर से देखेंगे। परित्यक्त महल में रहने वाले जानवरों की एक लंबी सूची भी।

अपनी बात रख रहा हूँ। और निःसंदेह, यह सच है। 1800 के दशक के अंत तक हमें यह भी नहीं पता था कि बेबीलोन कहाँ था।

1500 से अधिक वर्षों तक, यह पूरी तरह से नष्ट हो गया था। अब कल्पना कीजिए, न्यूयॉर्क शहर के बारे में ऐसा कहने की कल्पना कीजिए। लेकिन यशायाह ने यही कहा।

और वही हुआ। मेरा चेहरा उतर गया। क्या न्यूयॉर्क खो नहीं गया है? शब्द खेलता है, हाँ।

और हे, यदि जलवायु में वृद्धि होती है और समुद्र 20 फीट ऊपर उठता है, तो कोई मैनहट्टन नहीं होगा। ठीक है, आइए अब अध्याय 14, श्लोक 1 से 4 की ओर चलें। क्योंकि यहोवा याकूब पर दया करेगा और इस्राएल को फिर से चुन लेगा, और उन्हें उन्हीं के देश में बसा देगा। और परदेशी उनके साथ हो लेंगे, और याकूब के घराने से मिल जाएंगे।

और लोग उनको पकड़कर आपके स्थान पर पहुंचा देंगे। और इस्राएल का घराना उन पर अधिकार करेगा। प्रभु की भूमि में नर और नारी दास के रूप में।

वे उन लोगों को बंदी बना लेंगे जो उनके बंदी थे और उन पर शासन करेंगे जिन्होंने उन पर अत्याचार किया था। अब, वह अनुच्छेद यहाँ क्या कर रहा है? बहुत अच्छा लगता है, हाँ। लेकिन लेखन की रणनीति के संदर्भ में, हम कुछ ही देर में गर्व के पतन के बारे में बात करने के लिए वापस आ रहे हैं।

क्या आपको लगता है कि इस बिंदु पर यह अनुच्छेद किस लिए डाला गया है? हां हां। अब, यहूदा और इस्राएल क्यों अन्यजातियों पर भरोसा करने के लिये प्रलोभित हुए? डर। वे डरते थे।

उन्हें मदद की ज़रूरत थी। उन्हें अन्य शत्रु राष्ट्रों के विरुद्ध सहायता के लिए इन अन्य शत्रु राष्ट्रों की आवश्यकता थी। भगवान क्या कहते हैं? मेरा विश्वास करो, तुम्हें उनसे डरने की ज़रूरत नहीं है।

अब, फिर से, एक वाक्य है जिसके बारे में हम निर्वासन के दूसरी तरफ बात कर रहे हैं। नोटिस जो। वह यह नहीं कह रहे हैं कि कोई निर्वासन नहीं होगा।

वह उन पर दया करेगा। वह फिर से इजराइल को चुनेंगे। वह उन्हें उन्हीं के देश में बसाएगा।

लोग उन्हें ले जायेंगे और उन्हें उनके स्थान पर लायेंगे। तो यह कुछ-कुछ वैसा ही है जैसे यशायाह आहाज से बात कर रहा हो। राजा आहाज, मैं चाहता हूँ कि आप मेरे पुत्र से मिलें।

केवल एक अवशेष ही लौटेगा उसका नाम है। आपने यहां एक ऐसा निर्णय लिया है जिसने आपके देश में आग लगा दी है। आपने सड़क पर निर्णय ले लिया है।

अब, यह भाग्य नहीं है। उस दिशा को बदलना अभी भी संभव होगा। लेकिन जब तक कुछ नहीं बदलता, आप यहीं जा रहे हैं।

आप बेबीलोन की ओर जा रहे हैं। लेकिन जब आप वहां गए, तो भगवान क्या कहते हैं? मैं तुम्हें वापस लाऊंगा। ईश्वर सत्य नहीं है।

उसमें दया होगी। हाँ। नहीं, मुझे नहीं लगता कि यह बिल्कुल भी बहुत दूर है।

वह इसाईनिक है। यह इस पुस्तक में बिल्कुल सही है कि, फिर से, आप इस दुनिया की महिमा, धूमधाम और वैभव के सामने गिरने के लिए प्रलोभित होते हैं। आपको इसकी आवश्यकता नहीं है।

आपको इसकी आवश्यकता नहीं है. भगवान आपके लिए है. आपको इससे डरने की ज़रूरत नहीं है कि वे आपके साथ क्या कर सकते हैं।

तो, हाँ, यहीं मध्य में, आपको दोनों ओर के राष्ट्रों की शक्ति, दोनों ओर के राष्ट्रों का गौरव प्राप्त है। और ठीक मध्य में, प्रभु। प्रभु को दया आएगी.

वे आपके साथ ऐसा कुछ नहीं कर सकते जो आपको उसकी देखभाल से दूर रखे। और अंततः, आखिरकार, वे आपकी सेवा करेंगे। और वह पुस्तक में विभिन्न बिंदुओं पर बार-बार वापस आता है।

जब हम अध्याय 60 पर पहुंचेंगे, तो हम उसे जीवंत रूप में देखेंगे। ठीक है। अब, फिर, बीच में।

श्लोक चार. ठीक है, वास्तव में, और फिर से, यह श्लोक दो से श्लोक तीन तक एक साथ धुंधला हो जाता है, जब प्रभु ने आपको उस कठिन सेवा में आपके दर्द और उथल-पुथल से आराम दिया है जिसके साथ आपको सेवा करने के लिए बनाया गया था, तब आप इसे अपनाएं। विलाप। बेबीलोन के राजा के विरुद्ध विलाप.

इसलिए फिर से, हमें यहां संदर्भ को अपने दिमाग में स्पष्ट रखने की जरूरत है। वह दिन आने वाला है जब बेबीलोन का शक्तिशाली राजा। गिर गया है।

और तुम, जिस पर उसने अपना पैर रखा। एक उपहासपूर्ण विलाप गा रहा होगा. अब, जैसा कि मैंने नोट्स में कहा है, यह कविता, विशेष रूप से छंद चार से 21 तक।

22 और 23 को अंतिम छंद के समान स्वाद में अंत में जोड़ा गया है। यह बहुत ही सावधानी से विकसित की गई कविता है। यह विलाप के रूप में है.

मैं आपसे पहले हिब्रू कविता के उस रूप के बारे में बात कर चुका हूँ जिससे यह आम तौर पर बनी है। तीन बीट लाइनें दोहराई जाती हैं। परमेश्वर ने पृथ्वी की स्थापना की।

स्वर्ग यहोवा द्वारा फैलाया गया था। तो वह पर्यायवाची विकास जहां दूसरा भाग पहले भाग के समान ही बात कहता है, लेकिन अलग-अलग शब्दों में। अब, एक विलाप विशिष्ट है.

और फिर, मुझे आम तौर पर कहना होगा, जब आप किसी भाषा के बारे में बात कर रहे हों तो आप हमेशा ऐसा नहीं कह सकते। लेकिन एक विलाप आमतौर पर तीन, दो होता है। और इसे लंगड़ा मीटर कहा जाता है।

मत करो, मत करो, मत करो, मत करो, मत करो। ये तो यही है. यह फॉर्म में है.

काव्यात्मक रूप विलाप का विशिष्ट रूप है। फिर यहाँ की अधिकांश भाषा विलाप जैसी है। ओह कैसे।

क्षमा करें, हम हैं. सारी पृथ्वी रोती है। वगैरह।

यह एक सपाट नकल है. ओह, हम कितने खुश हैं कि तुम मर गये। अब आपके चले जाने पर पूरी पृथ्वी खुशी से गा रही है।

तो यह व्यंग्य टपकता है. अंत से अंत तक. दूसरी बात जो मुझे कहनी है वह यह है कि अब आप सब मुझे बाहर फेंक सकते हैं।

यह शैतान के बारे में नहीं है. कई टीकाकार कहेंगे, ओह, यह शैतान के पतन के बारे में बात कर रहा है। नहीं, ऐसा नहीं है.

जॉन मिल्टन यह कहने वाले पहले व्यक्ति हैं कि शैतान का नाम लूसिफ़ेर है, जो यशायाह 14 से आया है। बाइबल में कहीं और नहीं है कि उसे लूसिफ़ेर कहा गया हो। अब, हमारे पास जो कुछ है वह प्राणीगत गौरव का पतन है।

और इस हद तक कि शैतान इसका एक उदाहरण है। वह यहां शामिल है, लेकिन यह शैतान के बारे में नहीं है। शैतान.

मैंने फिर कहा, वह शामिल है। समस्त प्राणीगत अभिमान नष्ट होने के लिए अभिशप्त है। लेकिन यह सभी प्रकार के प्राणीगत गौरव के बारे में बात कर रहा है।

अब मैं यह कविता की संरचना के कारण कह रहा हूँ और आइए इस पर नजर डालें। जुल्म करने वाला कैसे खत्म हो गया. और वहाँ फिर, वह, वह विलाप भाषा है।

ओह, अत्याचारी बंद हो गया है. ढीठ क्रोध जब्त कर लिया. यहोवा ने दुष्टों की लाठी को, उन शासकों के राजदंड को तोड़ दिया है जो क्रोध में आकर लोगों पर लगातार प्रहार करते थे, जिन्होंने क्रोध में राष्ट्रों पर लगातार अत्याचार किया था।

वह शैतान नहीं है, है ना? वह एक सांसारिक राजा है. सारी पृथ्वी सामान्य विलाप में शोक मना रही है। सारी पृथ्वी विश्राम और शांति में है।

वे गायन में लग जाते हैं। सरू के पेड़ तेरे कारण आनन्दित होते हैं, और लबानोन के देवदार कहते हैं, जब से तू गिराया गया, तब से कोई लकड़हारा हमारे साम्हने नहीं आता। तो यह पहला छंद है पृथ्वी।

पृथ्वी खुशियाँ मना रही है क्योंकि तुम मर गये हो। विशेष रूप से, उस आठवें श्लोक में, असीरियन राजाओं ने इस बात पर डींगें मारीं कि उन्होंने विशाल जंगलों को कैसे काटा। फिर, इस समय तक, अधिकांश जंगल असीरिया से खत्म हो चुके थे।

यहाँ घने जंगल थे, लेकिन हम इंसानों को पेड़ों से बहुत लगाव है। और इसलिए, अपने महलों के लिए, उन्हें लेबनान जीतना पड़ा। पूरे लेबनान में, आप जानते हैं, वहाँ दो पर्वत श्रृंखलाएँ हैं।

वहाँ लेबनान है, यदि आपके दृष्टिकोण से, यदि वह उत्तर में है, तो भूमध्य सागर वहाँ से बाहर है। वहाँ लेबनान पर्वतमाला है, जो भूमध्य सागर से ठीक ऊपर आती है। फिर एक खड़ी घाटी है, जिसे अरबी में घाटी कहा जाता है।

घाटी के लिए अरबी में बेका शब्द है और यही बेका है। और फिर आपके पास यहां पर लेबनान विरोधी, एक और पर्वत श्रृंखला है, जो और भी बड़ी है। माउंट हर्मन उस श्रेणी का हिस्सा है।

तो वह पूरी चीज़, वे दोनों पर्वत श्रृंखलाएँ और घाटी पेड़ों से भरी हुई थीं। और असीरियन इस बात पर डींगें हांकते रहे कि हम वहाँ कैसे गए, वे बड़े, ऊँचे पहाड़, वे उबड़-खाबड़ घाटियाँ, और हमने पेड़ों को काट दिया। और यशायाह कहता है, पेड़ बहुत प्रसन्न हैं कि तुम मर गये।

मैं ज़्यादा पर्यावरणविद् नहीं हूँ, लेकिन मैं एक पर्यावरणविद् हूँ। और जब हममें से कुछ लोग चले जाते हैं, तो भूमि खुशियाँ मनाती है। अब तो, हम पृथ्वी से बदल जाते हैं।

पृथ्वी आपकी मृत्यु के बारे में कैसा महसूस कर रही है? और अब 9, 10, और 11 में, हम नरक में जाते हैं। जब तू आता है, तो नीचे अधोलोक तुझ से मिलने के लिये मचल उठता है। यह आपको, उन सभी को, जो पृथ्वी पर नेता थे, स्वागत करने के लिए जगाता है।

वह उन सभी को, जो अन्यजातियों के राजा थे, उनके सिंहासनों पर से खड़ा कर देता है, और वे सब उत्तर देकर तुम से कहेंगे, तुम भी हमारी नाईर् निर्बल हो गए हो। तुम भी हमारे जैसे हो गए हो। तेरा वैभव अधोलोक अर्थात् अधोलोक में पहुंचा दिया गया है।

और फिर श्लोक 11 के अंत में यहाँ चित्र इतना शक्तिशाली है। यहाँ एक अंतिम संस्कार जुलूस है। वीणाएँ बज रही हैं, और अचानक कफ़न पीछे खींच लिया जाता है।

और हमारे पास क्या है? कीड़े और कीड़े। पृथ्वी प्रसन्न है। नर्क खुश है क्योंकि तुम भी हमारी ही तरह कमज़ोर हो।

तुमने हमें मार डाला। आपने हमें यहां भेजा, और अब आप हमसे जुड़ने आये हैं। स्वागत।

फिर तीसरा श्लोक स्वर्ग की ओर जाता है। तो, पृथ्वी से नर्क से स्वर्ग तक। और यहाँ, विशेष रूप से 12, 13, और 14 में, वह प्राचीन दुनिया के कुछ मिथकों की भाषा का उपयोग कर रहा है।

वह कोई मिथक नहीं लिख रहा है, बल्कि वह उस भाषा का उपयोग कर रहा है जिससे वे परिचित हैं। हे दिन के तारे, भोर के पुत्र, तुम कैसे स्वर्ग से गिर गए हो ! हे राष्ट्रों को नीचा दिखानेवाले तू कैसे काट डाला गया है?

तू ने अपने मन में कहा, मैं परमेश्वर के तारागण के ऊपर स्वर्ग पर चढ़ूंगा। मैं अपना सिंहासन ऊंचे पर रखूंगा। मैं उत्तर की सुदूर सीमा पर सभा के पर्वत पर बैठूंगा।

मैं बादलों की ऊंचाइयों से भी ऊपर चढ़ जाऊंगा. मैं अपने को परम ऊँचे के समान बनाऊंगा। एक कनानी मिथक है जिसमें बाल को उसके सिंहासन से उतार दिया जाता है।

वह मौत से लड़ रहा है, और मौत ने उसे अस्थायी रूप से पीटा है। इसलिए बाल का सिंहासन खाली है। तो यह दूसरा देवता कहता है, मैं सोचता हूँ कि मैं बाल के सिंहासन पर बैठूँगा।

खैर, आमेरिस्ट उसकी कोहनियों के लिए बहुत ऊँचे हैं, और उसके पैर फुटरेस्ट तक नहीं पहुँच सकते। और अंत में, वह कहते हैं, मुझे लगता है कि शायद। और बाकी देवता भी उसमें शामिल हो जाते हैं और उससे कहते हैं, वहाँ से चले जाओ।

तो, वह यहाँ बात करने के लिए उस तरह की भाषा का उपयोग कर रहा है, एक भगवान नहीं, बल्कि एक इंसान, एक राजा जो कहता है, मैं भगवान बनने जा रहा हूँ। हम फिर इस बारे में बात करेंगे. लेकिन अध्याय 36 में अपील में, जहाँ असीरियन अधिकारी उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए बुला रहा है, वह कहता है, असीरिया के राजा ने अन्य सभी देवताओं को नष्ट कर दिया है, और वह आपके भगवान को भी नष्ट कर देगा।

बहुत खूब। यह अशशूर के देवता और इस्राएल के देवता के बीच संघर्ष नहीं है। यह अशशूर के राजा और इस तथाकथित देवता के बीच संघर्ष है।

हमारा दिन आएगा। हमारा दिन आएगा। हे जाति जाति को नीचा दिखानेवाले तू किस रीति से काट डाला गया है?

अब, मैं फिर से कहता हूँ, बाइबिल हमें बताती है कि बाइबिल में शैतान की कहानी बहुत अच्छी तरह से विकसित नहीं है। नाटककार डोरोथी सेयर्स ने कहा, आप कभी भी शैतान को एक पात्र के रूप में अपने नाटक में नहीं रखना चाहेंगे। वह मुख्य पात्र के रूप में समाप्त होता है।

बाइबिल भी वैसी ही है. बाइबल उसके अस्तित्व को नकारने वाली नहीं है। नहीं - नहीं।

बाइबल कहने जा रही है, हाँ, वह अस्तित्व में है। और यह हमें थोड़ी जानकारी देगा। लेकिन इससे उनके बारे में हमारी जिज्ञासा शांत नहीं होगी.

ईश्वर वह है जिस पर हम ध्यान केंद्रित करते हैं। शैतान के जीवन इतिहास का पता लगाने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ। तू ने अपने मन में कहा, मैं परमेश्वर के तारों के ऊपर स्वर्ग पर चढ़ूँगा।

मैं अपना सिंहासन ऊँचा करूँगा। मैं सभा-मंडप पर बैठूँगा। मैं अपने को परम ऊँचे के समान बनाऊँगा।

लेकिन श्लोक 15 से 21 हमें पृथ्वी पर वापस लाते हैं। तुम्हें ढाल के रूप में गड्ढे के दूर तक ले जाया जाता है। जो लोग तुम्हें देखेंगे वे तुम्हें घूरेंगे और तुम्हारे बारे में सोचेंगे।

क्या यही वह आदमी है जिसने पृथ्वी को हिलाकर रख दिया था? साम्राज्यों को किसने हिलाया? किस ने जगत को मरुभूमि के समान बना दिया, और उसके नगरोंको नाश कर दिया? किसने अपने कैदियों को घर नहीं जाने दिया? राष्ट्रों के सभी राजा महिमा में हैं, प्रत्येक अपनी कब्र में है। परन्तु तुम घृणित शाखा की नाई अपनी कब्र से निकाल दिए गए हो। वस्तुतः यह गर्भपात है।

तुम मारे हुआओं के वस्त्र पहिने हुए, और तलवार से छेदे हुआओं को पाँवों से रौंदी हुई लोय की नाई गड़हे के पत्थरों पर गिराते हो, और तुम उनके साथ दफ़न न करोगे। पृथ्वी, नर्क, स्वर्ग, पृथ्वी। इस राजा को युद्ध के मैदान में मार दिया गया और उसका शव वहाँ अन्य शवों के बीच रखा गया, यहाँ तक कि उसे सम्मानपूर्वक दफनाया भी नहीं गया।

प्राचीन दुनिया में सबसे खराब अपमान संभव है। कुछ अटकलें हैं कि यह असीरियन सम्राट सरगोन का जिक्र है, जो 605 में, क्षमा करें, 705 में युद्ध में मारा गया था। वह एकमात्र असीरियन सम्राट है जिसके बारे में हम जानते हैं जो वास्तव में युद्ध में मारा गया था।

और इसलिए ऐसे लोग भी हैं जो सोचते हैं कि शायद इसी ने यशायाह को यह विचार दिया होगा। और फिर वह इस तथ्य के बारे में बात करने लगता है कि यह आदमी संतान से वंचित होने वाला है, जो इस मामले में फिर से हुआ। और इसलिए संभवतः, संभवतः यही हो रहा है।

इसलिए वह अंतिम अपमान के साथ अपनी बात समाप्त करता है, अपने आप को ऊँचा उठाओ। पहले भी कहा, फिर कहा, अपने आप को ऊँचा उठाओ। और आवश्यक परिणाम अपमान है।

चाहे हम कितनी भी कोशिश कर लें, हम ईश्वर से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते। बहुत खूब। मैंने सोचा कि मैं आज रात कभी काम पूरा नहीं कर पाऊंगा।

मैंने किया। शेष अध्याय दो और दैवज्ञ हैं, एक असीरिया के खिलाफ, जहाँ ऐसा लगता है जैसे हम अब वापस आ गए हैं, जैसा कि मैं अगले सप्ताह के नोट्स में कहता हूँ, फोकस अब पर वापस आता है। इस समय बेबीलोन हमारे लिए बड़ा खतरा नहीं है।

असीरिया हमारा बड़ा खतरा है. उस के बारे में क्या? और फिर अशशूर से निकटतम पड़ोसियों, फ़िलिस्तिया और मोआब तक। और अगली बार हम इसी पर गौर करेंगे।

ठीक है। प्रश्न, टिप्पणियाँ? हाँ। मैं इसके बारे में सोच रहा था, जब आप बात कर रहे थे, कि उन्हें निहत्था कर दिया गया है, छीन लिया गया है और बिगाड़ दिया गया है और क्रूस द्वारा उन पर विजय प्राप्त करके उनका सार्वजनिक उदाहरण बनाया गया है।

और ई. स्टेनली जोन्स उस पर टिप्पणी करते हैं। अगली बार जब शैतान आपके दिमाग में गड़बड़ करने लगे, तो उससे कहें कि वह अपनी गर्दन झुका ले, क्योंकि उसकी पीठ पर कील से छेदा हुआ एक पदचिह्न है। मुझे नहीं पता कि आप सभी ने वह सुना है या नहीं।

ई. स्टैनली जोन्स कहते हैं, अगली बार जब शैतान आपके दिमाग के साथ खिलवाड़ करने लगे, तो उसे अपना सिर झुकाने के लिए कहें, क्योंकि उसकी गर्दन के पीछे कील से दागे हुए पदचिह्न हैं। यह एक अच्छा ताना है. हाँ।

हाँ। हाँ। अन्य टिप्पणियाँ, प्रश्न, या टिप्पणियाँ? हमारे पास अभी भी कुछ मिनट हैं।

हाँ। हाँ। हाँ।

हाँ। वह कम से कम 701 तक जीवित थे, और शायद उसके बाद भी। हिजकिय्याह की तारीखें सभी राजाओं की सबसे समस्याग्रस्त तारीखें हैं।

12 साल की समस्या है. 1960 के दशक में एक व्यक्ति हिब्रू राजाओं के कालक्रम को उल्लेखनीय तरीके से सुलझाने में सक्षम था। यह एक डॉक्टरेट शोध प्रबंध था जिसे उन्होंने शिकागो विश्वविद्यालय में लिखा था, और उन्होंने लगभग हर चीज़ का उत्तर दिया था।

यह कुछ विद्वानों को इतना क्रोधित कर देता है कि वे इसे बर्दाश्त नहीं कर पाते, क्योंकि वह एक इंजीलवादी है। और सभी तिथियां काम करती हैं. हिजकिय्याह को छोड़कर, वे पूरी तरह से काम करते हैं।

और इसलिए हम नहीं जानते कि क्या उसने 727 में शासन करना शुरू किया और फिर 696 में उसकी मृत्यु हो गई, या क्या उसने 716 में शासन करना शुरू किया और 6 में उसकी मृत्यु हो गई, जो भी हो, उसके 11 साल बाद, 685 में। अब मैं यह सब कहता हूँ परंपरा कहती है कि हिजकिय्याह के पुत्र मनश्शे ने यशायाह को एक खोखले पेड़ के अंदर गिरा दिया और मरने के लिए वहीं छोड़ दिया। तो यशायाह की मृत्यु की एकमात्र झलक, उस परंपरा के अनुसार, मनश्शे के समय के दौरान थी।

तो यह या तो 696 के बाद या 685 के बाद है। मनश्शे एक अच्छा आदमी नहीं था। अन्य प्रश्न, टिप्पणियाँ? हाँ।

खैर, हम जो जानते हैं वह यह है कि यह एक रेगिस्तान था। तो, यह कहना हर तरह से तर्कसंगत है, हाँ, वास्तव में, वे रेगिस्तानी जानवर हैं। और हां।

हाँ, मैंने इसके लिए बनी एक फिल्म देखी है। हाँ सही। मैं काफी छोटा था.

मैंने एक फ़िल्म देखी जो कथित तौर पर इसी क्षेत्र को दिखा रही थी। हां, हां। तो हाँ, यह कहने का हर कारण है कि यह सचमुच पूरा हुआ।

मध्य ईरान, हाँ, हाँ, हाँ। हां हां। रहस्योद्घाटन की पुस्तक में यशायाह के लिए कई, कई संकेत हैं।

और मेरा मानना है कि प्रकाशितवाक्य यशायाह की तरह ही बेबीलोन का उपयोग कर रहा है। और वह संसार के अहंकार का प्रतिनिधि है। अब, फिर से, अगर वास्तव में टिम लाहे सही हैं और

बेबीलोन को विश्व शक्ति के केंद्र के रूप में फिर से बनाया गया है, तो मैं अपना टिकट नहीं लौटाऊंगा।

लेकिन मुझे लगता है कि बेबीलोन का उपयोग वहां प्रतिनिधि रूप से किया जा रहा है, जैसा कि यहां अध्याय 13 के पहले भाग में किया जा रहा है। सभी मानवीय गौरव और अहंकार और उन सभी के विनाश का प्रतीक। अच्छा।

धन्यवाद। चलिए प्रार्थना करते हैं। हे पिता, हमारी मदद करें कि हम अपनी विनम्रता पर गर्व न करें।

हम छोटे लोग हैं। हम महान भूकंपकर्ता नहीं हैं। और कभी-कभी हम उस पर गर्व महसूस कर सकते हैं।

ऐसा न करने में हमारी सहायता करें। क्योंकि घमंड, खुद को भगवान बनाने की क्षमता, हम छोटे लोगों के लिए उतनी ही समस्या है जितनी दुनिया को हिला देने वालों के लिए। हमारी मदद करो प्रभु।

हे प्रभु, मुझे बार-बार यह जानने में मदद करें कि हम आपकी कृपा से हैं और आप हमें अमूल्य और इसके लायक देखते हैं। हमें यह याद दिलाने में मदद करें कि हम आप में कौन हैं। आपके नाम पर, हम प्रार्थना करते हैं।

तथास्तु। यह यशायाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. जॉन ओसवाल्ट हैं। यह सत्र संख्या सात, यशायाह अध्याय 13 और 14 है।